# Bihar Board Class 6 Hindi Notes Chapter 16 स्वार्थी दानव

## स्वार्थी दानव Summary in Hindi

पाठ का सार-संक्षेप

एक बगीचा एक दानव का था। वह बडा स्वार्थी था। वह कुछ दिनों के लिए अपने मित्र से मिलने गया था। इसी बीच कुछ बच्चे बगीचा में खेलने लग गयं । जब दानव आया तो अपने बगीचे में बच्चों के खेलते देख स्वार्थवश बाल उठा- मैं किसी को बगीचे में खेलने नहीं दंगा। उसने चारों ओर ऊँची दीवार खड़ी कर दी और सूचना-पट्ट टाँग दिया जिसमें लिखा था'अनाधिकार प्रवेश करने वाले को सजा मिलेगी।'

अब बच्चे बगीच में जाना बंद कर दिये । दीवार के बाहर ही चारों ओर घूम-घूमकर बगीचे की चर्चा किया करते थे।

बसंत आ गया, सब जगह फूल खिल गये, लेकिन दानव के बगीचे में अभी भी जाड़ा ही था। पेड़-पौधे बर्फ से ढंके दिख रहे थे। चिड़िया भी नहीं दिखती क्योंकि वसंत वहाँ आया ही नहीं था। ओले पड़ते थे। दानव चिन्तित हो उठा। बसंत आने में देर क्या? एक दिन दानव ने एक छोटी चिड़िया की मधुर गीत सुन खुश हो उठा कि अब बसंत आ गया। वह बिस्तर से उठकर बाहर घूमने लगा । ओले पड़ने बंद थे। फूल खिलने लगे थे। वह अपने बगीचे में घूमते हुए देखा कि कुछ बच्चे पेड़ पर और एक छोटा बच्चा पेड़ पर चढ़ने का प्रयास करता लेकिन चढ़ नहीं पाने के कारण रो रहा था। पेड़ पर अभी भी बर्फ जमी थी।

पेड़ अपनी डाली झुकाकर बच्चों को चढ़ने के लिए कहा लेकिन बच्चे
चढ़ नहीं पा रहे थे। इस दृश्य को देखकर दानव द्रवित हो गया। उसने
बच्चा को गोद में उठाकर पेड़ पर चढ़ा दिया । दानव को देख बच्चे भाग
गये। एका एक ओले पड़ने लगे, जाड़ा आ गया । यह सब देख स्वार्थी दानव का हृदय बदल गया। उसी समय उसने दीवार तोड़ दी। बच्चे बगीचे में आ गये। बसंत फिर आ गया। अब बच्चे समझ गये दानव कठोर नहीं है। बच्चे दानव के साथ खेलते भी थे। लेकिन वह छोटा बच्चा आना बंद कर दिया । दानव बच्चों से खूब प्यार करता लेकिन उस छोटे बच्चे के लिए तरसता रहता था। वह बूढ़ा हो गया तब बच्चों के साथ खेलना बंद कर दिया, ___ केवल आराम कुर्सों पर बैठकर बाग और बच्चों की प्रशंसा करता रहता था। उसे फूल से भी सुन्दर फूल के रूप में बच्चे लगते थे।

एक दिन उसने देखा, बगीचे के एक कोने में पेड सन्दर कलियों से ढंक गये हैं। वहीं पर एक छोटा बच्चा खड़ा है। वह पहचान गया वही बच्चा था जिसको उसने प्यार से कभी पेड़ पर चढ़ाया था। वह निकट आया। वह घायल था। उसकी हथेली में काँटी चुभने का निशान था। उसने बच्चा से पूछा, तुम्हें किसने घायल किया है। मैं उसे अपनी तलवार से काट दूंगा । बच्चा ने कहा, ये प्यार के घाव हैं। दानव ने पूछा, तुम कौन हो उसे भय होने लगा। उसने बालक के सामने सिर टेक दिया। बच्चा ने कहा—तुमने हमें बगीचे में घुमने दिया है। अतः अब तुम मेरे बगीचा में घुमोगे। वह बगीचा स्वर्ग में है। वह दानव उसी समय मर गया। जब बच्चे वहाँ आये तो देखा कि दानव – मरा पड़ा है उसके शरीर फूल कलियों से ढंके हैं।


https://www.evidyarthi.in/